

भारत-जापान सुरक्षा वार्ता

चर्चा में क्यों?

भारत तथा जापान के रक्षा मंत्रयों ने टोक्यो में भारत-जापान सुरक्षा वार्ता (**India-Japan Defence dialogue**) में भाग लिया। बैठक के दौरान परस्पर सरोकार के अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें मौजूदा द्विपक्षीय सहयोग को सशक्त करना तथा क्षेत्र में शांतिएवं सुरक्षा कायम करने की दिशा में नई पहलें शामिल हैं।

प्रमुख बातें

- इस बैठक में हिंदू-प्रशांत दृष्टिकोण के बारे में वसितार से चर्चा की गई। भारत की ओर से आस्थिन देशों को केंद्र में रखते हुए एक नियम आधारित व्यवस्था, समावेशी विकास और सबके लिये सुरक्षा पर ज़ोर दिया गया। क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थायित्व के संदर्भ में भारत और जापान के बीच वैश्वकि साझेदारी के महत्व पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों मंत्रयों ने उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा परादिश्य के बारे में वसितृत चर्चा की।
- उन्होंने जापानी कंपनियों और अन्य हितिधारकों को लखनऊ में आयोजित होने वाले द्विविश्वकि डेफ-एक्स्पो (Def-Expo) 2020 में भाग लेने के लिये आमंत्रित किया।
- बैठक में इस बात पर सहमतव्यक्त की गई क्रिक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में और अधिक सहयोग किया जाना चाहयि।

भारत-जापान संबंधों में इस बैठक का महत्व

- वर्तमान में चीन जो सैन्य शक्तितथा क्षेत्रीय उत्कृष्टता प्रदर्शित कर रहा है उसको काउंटर करने के लिये भारत और जापान के बीच आपसी सहयोग ज़रूरी है और यह अच्छी बात है कि दोनों देश आपस में सहयोग की भावना से आगे बढ़ रहे हैं।
- सामरकि स्तर पर गहन बातचीत के साथ-साथ रक्षा और आरथकि क्षेत्र में सहयोग भी दुनिया में द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख और निर्णायक कारक है। इस संदर्भ में इन दो एशियाई ताकतों के बीच सामरकि रशिते बेहतर करने में सामुद्रकि क्षेत्र महत्वपूरण सथान रखता है।
- दुनिया में इन दोनों देशों के इस क्षेत्र में सहयोग करने की सबसे ज़्यादा संभावना है। संबंधों में इस तरह का तालमेल हासलि करने के बाद दोनों देश अब सैन्य सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं।
- दोनों देश गहरे सामुद्रकि हाति, सैन्य उपकरण तथा तकनीक के क्षेत्र में भावी सहयोग को लेकर विचार-वामिर्श की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं।
- इस संदर्भ में जापान के समुद्री आत्म रक्षा बल (JMSDF) और भारतीय नौसेना (IN) के बीच द्विपक्षीय अभ्यास का उद्देश्य भी समझ में आता है।
- भारत, अमेरिका और जापान के बीच मालाबार में वर्ष 2015 से आयोजित संयुक्त नौसैनिक अभ्यास भारत-प्रशांत क्षेत्र में वर्तमान सुरक्षा माहौल को लेकर भारत के बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है।
- भारत-जापान प्रशांत क्षेत्र के दो प्रमुख सामुद्रकि देश होने के कारण सामुद्रकि सुरक्षा सहयोग का यह स्वाभाविक क्षेत्र है।
- दोनों ही देश हादि महासागर एवं प्रशांत महासागर के कुछ इलाकों और विविधति पूर्वी विभिन्नाम सागर में व्यापारकि और नौसैनिक जहाजों की आवाज़ाही को लेकर आँकड़ों को आपस में साझा करने के समर्थक रहे हैं।

निष्कर्ष : जापान आरथकि और तकनीकी क्षेत्र में सहयोग के मामले में भारत का सबसे भरोसेमंद साझेदार रहा है। इन दिनों जसि प्रकार की वैश्वकि अरथव्यवस्था की स्थिति है, उसमें दोनों देशों का साथ होना बहुत ज़रूरी है। खासकर एशिया पैसफिकि क्षेत्र में ताकतवर बने रहने के लिये भी दोनों देशों की साझेदारी महत्वपूरण है।

स्रोत: PIB